डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 06 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 13 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

जहरीला पदार्थ खाया, युवक की मौत

नीमच, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के बघाना थाना क्षेत्र के गांव बामन बर्डी में एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे आनन-फानन में नीमच के बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे।जहां उसकी गंभीर हालत बनी हुई थी। प्राथमिक चिकित्सा के बाद डॉक्टरों ने उसे राजस्थान के उदयपुर रेफर किया।

हालांकि, उदयपुर जाते समय युवक ने दम तोड़ दिया। जिसे बाद में पुनः नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। जहां गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक राजाराम उर्फ छोटू पिता रामचंद्र जाति सुथार उम्र 42 वर्ष निवासी बामन बर्डी ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। जिसकी उदयपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मामले में बघाना थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरू की है।

दिवाली से पहले फिर बुझा उम्मीदवारी का दीपक

सिर्फ टिकीट की चर्चाओं तक सीमित रह गए नाम, कई कोप भवन में बैठे

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विस चुनाव को लेकर जिला चुनावी माहौल के रंग में रंग गया है। जिला मुख्यालय होने के कारण शहर में राजनीतिक रंग करीब साल भर पहले से ही नजर आने लगा था। अब बात करें टिकीट की दावेदारी की तो कई नेता ऐसे है, जिनकी दावेदारी सिर्फ चर्चाओं तक ही सीमित रह गई। टिकीट की राह में कोई रिटायरमेंट की उम्र को क्रास कर गया तो कुछ नाम शहर की राजनीति से ही गुमनाम हो गए। इस बार भी ऐसा ही हुआ। दिवाली से पहले कई नेताओं की उम्मीद्वारी का दिया बुझ गया तो कई लोग हाईकमान के निर्णय से निराश होकर कोपभवन में जा बैठे।

जिस तरह से नियमानुसार आचार संहिता लगाई जाती है। उसके बाद बैनर पोस्टर हटाकर बार्डर मिटिंग का दौर चलता है। इसी तरह से चुनाव से पहले भाजपा में एक परंपरा शुरु हो गई है। जिसमें रटे रटाए नाम उम्मीद्वारी को लेकर हर बार सामने आते हैं। यह नाम विशेषकर मंदसौर विस क्षेत्र से ही सामने आते हैं। जिले की अन्य विस सीटों पर चेहरों को लेकर इतना माहौल क्रिएट नहीं होता। हर बार की तरह इस बार भी बंशीलाल गुर्जर, अनिल कियावत, राजेंद्र सुराणा, मदनलाल राठौर, अजयसिंह चौहान, मानसिंह माच्छोपुरिया, हिम्मत डांगी, राजू चावला जैसे और भी कुछ नाम है। जिनका इस बार भी टिकीट की दावेदारी को लेकर नाम चर्चाओं में रहा। हालांकि हुआ वही जो हर बार होता है।

कहीं भी नहीं मिला मौका...

बात सिर्फ विस चुनावों की ही नहीं है। नगरपालिका सहित अन्य चुनावों में भी इस लिस्ट में मौजूद कई नेताओ के नाम लंबे समय से चल रहे हैं। हालांकि रमादेवी गुर्जर को इस बार नपाध्यक्ष बनाया गया। लेकिन, बाकी नेताओं का इंतजार पूरा होने का नाम ही नहीं ले रहा।

चौथी बार यशपालसिंह...

भाजपा ने चौथी बार यशपालसिंह सिसौदिया पर मंदसौर से भरोसा जताया है। इसके अलावा 12 बार पिछड़े व दो बार अगड़े वर्ग पर विश्वास जताया है। मंदसौर विधानसभा के चुनावी इतिहास में अब सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड यशपालसिंह सिसौदिया के नाम है। तो वहीं सबसे छोटी जीत भी उनके खाते में ही है। उन्होंने 2013 में कांग्रेस के महेंद्रसिंह गुर्जर को 24295 मतों से हराया था। सबसे छोटी जीत में भी 2008 में लगभग 1600 मतों से महेंद्रसिंह गुर्जर को ही हराया था। इसके पहले विधानसभा चुनावों में अभी तक की बड़ी जीत 1990 में भाजपा के कैलाश चावला ने दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस के श्यामसुंदर पाटीदार को 24181 मतों से हराया था। इसके बाद तीसरी बड़ी जीत 2003 में ओमप्रकाश पुरोहित ने कांग्रेस के नवकृष्ण पाटिल को 22909 मतों से हराकर हासिल की थी। कांग्रेस की तरफ से सबसे बड़ी जीत 1998 में नवकृष्ण पाटिल ने कैलाश चावला को 9536 मतों से हराकर दर्ज की थी।

इस बार मन में तगड़ा लड्डू फूटा था...

चुनाव से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्रसिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय जैसे कुछ चेहरों को मैदान में उतारा गया। इसकी उम्मीद ना के बराबर थी। ऐसे में जगदीश देवड़ा और यशपालसिंह सिसौदिया का टिकीट कटने या सीट बदलने की चर्चाएं जोरों से चली। इसके बाद सोशल मीडिया हो या अखबारों की सुर्खियां, सांसद सुधीर गुप्ता से लेकर कई नेताओं के नाम सामने आने लगे। चर्चाओं के बाद हर बार सिर्फ नाम से संतुष्टहोने वाले नेताओं के मन में इस बार थोड़ी ज्यादा आस जगी थी। हालांकि इस बार भी निराशा ही हाथ लगी। हालांकि, वरिष्ठ नेता बंशीलाल गुर्जर का नाम इस बार फिर मनासा विधानसभा से चला है। वहां की स्थिति भी दो-तीन दिन में स्पष्ट हो जाएगी।

शहर के मास्टर प्लान का प्रारूप आया

दावे आपत्ति के लिए 30 दिन का समय, एनजीटी में 16 अक्टूबर लगी तारीख, कैसे लागू होगा प्लान?

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विगत 10 सालों से मंदसौर का मास्टर प्लान लागू नही हो पा रहा है। आखरी बार वर्ष 2001 से 2011 की अवधि का मास्टर प्लान बना था। लेकिन, इसके बाद अब तक कोई भी मास्टर प्लान लागू नही हो पाया। वर्ष 2035 के मंदसौर का खाका तैयार कर टीएनसी ने दावे, आपत्ति मांगे थे। इनके निराकरण के बाद एक बार फिर प्रारूप जारी हुआ। जिस पर एक बार फिर 30 दिनों में दावे-आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए गए है।

12 अक्टूबर को जारी जानकारी में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के माध्यम से 6 अक्टूबर 2023 को प्रकाशित प्रारूप में कहा गया कि मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 19 की उप धारा 2 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार द्वारा मंदसौर विकास योजना 2035 को प्रस्तावित किया गया है। जिसका अवलोकन 30 दिवस में करते हुए सुझाव और आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। राजपत्र में प्रकाशित मास्टर प्लान के अनुसार बायपास मार्ग एवं पुराने महू- नसीराबाद मार्ग के मध्य ग्राम भुनियाखेड़ी एवं ग्राम गुराडिया देदा की काकड़ को 24 मीटर चौड़ा सेक्टर मार्ग प्रस्तावित किया गया है। कलेक्ट्रेट मार्ग की चौड़ाई 30 मीटर प्रस्तावित की गई है। इसके साथ ही मंदसौर रेल्वे स्टेशन से लगाकर शिवना नदी को पार करने हेतु नवीन प्रस्तावित मार्ग एवं पुल द्वारा जोड़ा जाना प्रस्तावित है। तेलिया तालाब के डाउन स्ट्रीम में प्रस्तावित आवासीय को विलोपित कर कृषि भूउपयोग हेतु प्रस्तावित किया गया।

उल्लेखनीय है कि मंदसौर का मास्टर प्लान लंबे समय से लंबित है। इसमें तेलिया तालाब को खत्म करने का षड्यंत्र रचने की बाते सामने आई थी। तेलिया तालाब को लेकर एडव्होकेट कांतिलाल राठौड़ ने सुप्रीम कोर्ट में पहुंचाया था। जहां से एनजीटी को निर्देश मिले और वर्तमान में एनजीटी के समक्ष ही तेलिया तालाब का मामला लंबित है। तालाब का मूल नक्शा पिछले दिनों कलेक्टर ने एनजीटी के समक्ष पेश किया है। हालांकि अभी एनजीटी का निर्णय आना बाकी है। ऐसे मे जानकारों का कहना है कि एनजीटी के निर्णय के बाद ही मंदसौर का मास्टर प्लान लागू हो पाएगा।

बतादे की एनजीटी में अपील करने वाले पूर्व पार्षद डॉक्टर दिनेश जोशी का कहना है की सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तथाकथित पुराने नक्शे के अनुसार की गई नई नपती में भू माफियाओ को बचाने के लिए गलत नपती की जा रही थी। इसमें 555 बीघा का तालाब अब सिर्फ 50- 70 बीघा का ही रह जायेगा। हालांकि, हमारा वकील इस नपती पर आपत्ति लगाएगा। क्योंकि, टाउन एन कंट्री प्लानिंग के अधिकारियों ने भू माफिआयो से मिल कर मास्टर प्लान लागू करने की अधिसूचना जारी की है। जिससे की जिन लोगो के हित सामने आ रहे हो, वे आपत्ति लगा लगाकर मास्टर प्लान को लागू करने से रोक सके। उन्होंने कहा की जब न्यायालय ने नपती पर 16 अक्टूबर तक स्टे दे रखा है तो मास्टर प्लान के अधिसूचना कैसे लागू हो सकती है। जब तक मामले में कोई फैसला नहीं आता तब तक मास्टर प्लान लागू होने का सवाल ही नहीं उठता है।

गुस्से में घर से निकली नाबालिग को पुलिस ने ढूंढ निकाला

भानपुरा, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भाई से झगड़ा कर घर से निकली नाबालिग बालिका को पुलिस ने 20 घंटे में ही ढूंढ निकाला। पुलिस ने बताया कि भैसोदामंडी निवासी 14 वर्षीय बालिका का अपने भाई से टीवी के रिमोट की बात को लेकर झगड़ा हो गया। जिसके बाद बालिका गुस्से मे घर वालो को बिना बताये घर से निकल गई। परिजनो की रिपोर्ट पर से थाना भानपुरा पर धारा 363 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना मे लिया गया। बालिका की तलाश हेतु तत्काल टीमे बनाकर रवाना की गई। पुलिस द्वारा बालिका को कोटा रेल्वे स्टेशन से सकुशल दस्तयाब कर परिजनो के सुपुर्द किया गया।

आचार संहिताः तबादले के बाद ज्वाइनिंग में उलझनें

कई विभागो में हो रही परेशानी, अधर में लटके स्थानांतरित अधिकारी, कर्मचारी

भोपाल/मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य सरकार के कई विभागों द्वारा स्थानांतरित किए गए अधिकारियों, कर्मचारियों के समक्ष नए दफ्तर में जॉइनिंग का संकट खड़ा हो गया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी अधिकारी, कर्मचारी की रिलीविंग और जॉइनिंग आयोग की अनुमति की बगैर नहीं होगी। इसके विपरीत शासन के अलग-अलग विभागों द्वारा स्थानांतरित किए गए अफसरों को रिलीव करने का काम तेजी से जारी है। ऐसे में जिले सहित प्रदेश भर में हजारों ऐसे कर्मचारी हैं जो तबादले के बाद जॉइनिंग को लेकर परेशान हैं। आचार संहिता लागू होने के पहले स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के कई संभागों और जिलों में अध्यापक संवर्ग के कर्मचारियों की 12 साल की सेवा अवधि पूर्ण होने के बाद क्रमोन्नति देने और नवीन पदस्थापना को लेकर काउंसलिंग कराई गई थी। इस काउंसलिंग के दौरान शिक्षकों द्वारा जो नवीन कार्य स्थल चुने गए हैं उसके आदेश भी विभाग के अफसरों द्वारा काउंसलिंग के 48 घंटे के भीतर जारी कर दिए गए। इसका असर यह हुआ है कि शिक्षकों की बड़ी संख्या में पोस्टिंग दूसरे जिलों में हुई और वे दूसरे जिले में ज्वाइन करने पहुंचे तो आचार संहिता लगने के चलते उन्हें ज्वाइन नहीं कराया गया है।

इसके अलावा एमएसएमई, स्कूल शिक्षा, पंचायत और ग्रामीण विकास के अंतर्गत ग्रामीण आजीविका मिशन, जल संसाधन, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, सामान्य प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य समेत अन्य विभागों द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों के ताबड़तोड़ तबादले किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार 5 से 9 अक्टूबर की अवधि में किए गए इन तबादलों के बाद नई पदस्थापना स्थल पर जॉइनिंग के लिए कई अधिकारी 9 अक्टूबर के बाद पहुंचे हैं। चूंकि 9 अक्टूबर को चुनाव आचार सिंह लागू हो गई तो कलेक्टरों ने अधीनस्थ विभागों के जिला अधिकारियों से साफ तौर पर किसी भी अधिकारी कर्मचारी को ज्वाइन कराने से मना कर दिया। इसका असर यह हुआ है कि जो कर्मचारी अधिकारी नए पदस्थापना स्थल के लिए रिलीव हो गए थे, वह बीच में फंस गए हैं। पुराने दफ्तर से वे रिलीव हो चुके हैं और नए दफ्तर में ज्वाइन नहीं... **शेष पेज 4 पर**

विचार-मंथन

चुनाव का समय, पांचों राज्य में जीतना होगा भरोसा

पिछले कई चुनावों से देखा जा रहा है कि जब भी कई राज्यों के चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो मतदान की तारीखों में लंबा अंतर रखा जाता है। कई बार मतगणना तक महीने भर से अधिक का समय लग जाता है। इससे कई तरह की उलझनें पैदा होती हैं। कई चुनाव विशेषज्ञ इसे उचित नहीं मानते। पांच राज्यों के चुनाव अधिकतम दो दिनों में बांटे जा सकते थे, जिससे खर्च कम बैठता और राजकीय अमले को लंबे समय तक नाहक अफरातफरी के माहौल में नहीं फंसे रहना पड़ता। पांच विधानसभाओं के चुनाव की तारीखें घोषित हो गई हैं। छत्तीसगढ़ को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में एक ही चरण में मतदान कराए जाएंगे। हालांकि दो राज्यों में मतदान की तारीखें अलग-अलग हैं। सात नवंबर को पहला मतदान होगा। उस दिन मिजोरम और छत्तीसगढ़ में मतदान होंगे। सत्रह नवंबर को छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण के लिए और मध्यप्रदेश में मतदान होंगे। उसके एक-एक हफ्ते के अंतर पर राजस्थान और तेलंगाना में मतदान होंगे। नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। इस तरह कुल छब्बीस दिनों में चुनाव संपन्न होंगे। राजनीतिक दल इसके लिए पहले से तैयारी में जुट गए थे। तमाम बड़े नेताओं, मंत्रियों आदि की रैलियां महीना भर पहले से होने लगी थीं। जाहिर है, मतदान की तारीखें घोषित होने के बाद अब सरगर्मी और बढ़ जाएगी। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है। विपक्षी दल एकजुट हैं। इस तरह इन चुनावों में सरगर्मी कुछ अधिक रहने की संभावना है। हर राजनीतिक दल के बड़े नेता चुनाव प्रचार में उतरेंगे। इसलिए भी सुरक्षा कारणों से निर्वाचन आयोग ने मतदान को इतनी लंबी अवधि में फैलाने का फैसला किया होगा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में हमेशा अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत रहती है। कोशिश की जाती है कि उन इलाकों में लोग अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकलें और अपने मताधिकार का उपयोग करें। इसलिए भी वहां दो चरण में मतदान का फैसला किया गया। हालांकि जबसे मशीनों से मतदान कराए जाने लगे हैं, तबसे अपेक्षा की जाती है कि मतदान और नतीजों के बीच की अवधि कम से कम रहे। कम से कम चरणों में मतदान कराए जाएं। मगर मशीनों के उपयोग के बाद भी निर्वाचन आयोग इस अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाता। पिछले कई चुनावों से देखा जा रहा है कि जब भी कई राज्यों के चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो मतदान की तारीखों में लंबा अंतर रखा जाता है। कई बार मतगणना तक महीने भर से अधिक का समय लग जाता है। इससे कई तरह की उलझनें पैदा होती हैं। कई चुनाव विशेषज्ञ इसे उचित नहीं मानते। पांच राज्यों के चुनाव अधिकतम दो दिनों में बांटे जा सकते थे, जिससे खर्च कम बैठता और राजकीय अमले को लंबे समय तक नाहक अफरातफरी के माहौल में नहीं फंसे रहना पड़ता। जहां मतदान सबसे अंत में होगा, वहां सबसे लंबे समय तक चुनाव प्रचार चलेगा और स्वाभाविक ही वहां के प्रशासनिक कामकाज में बाधा आएगी। इस तरह चुनाव की तारीखों को लंबे समय तक फैलाने के पीछे अक्सर निर्वाचन आयोग का तर्क होता है कि सुरक्षा कारणों की वजह से उसे ऐसा फैसला करना पड़ा। मगर जब लोकसभा चुनाव भी लगभग इतने समय में संपन्न करा लिए जाते हैं, तो पांच राज्यों के चुनाव में भला सुरक्षाबलों की तैनाती में ऐसी क्या अड़चन आ सकती है। चुनाव के लंबे समय तक फैले होने से विपक्षी दलों को निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का मौका मिल जाता है। फिर, जहां पहले चरण में चुनाव होगा वहां की मतपेटियों की सुरक्षा के लिए लंबे समय तक पहरा बिठा कर रखना पड़ेगा। एक राज्य के मतदाताओं के रुझान को दर्शा कर दूसरे राज्य के मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशें तो होंगी ही। निर्वाचन आयोग की कुशलता इस बात से भी आंकी जाती है कि वह कितने कम समय में चुनाव संपन्न कराता है।

भाजपा के लिए मुश्किल है दक्षिण की डगर

-राज कुमार सिंह

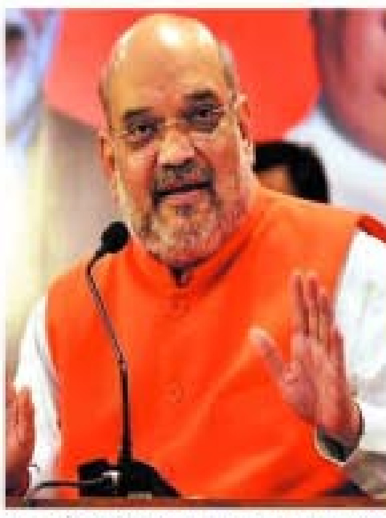

दरअसल कर्नाटक की सत्ता गंवाने के साथ भाजपा की मुश्किलें समाप्त नहीं, शुरू होती हैं। उसका लिंगायत वोट बैंक टूट चुका है, जिसकी बदौलत वह कर्नाटक को दक्षिण में अपना दुर्ग बना पाई और राज्य की सत्ता के साथ-साथ लोकसभा की भी अधिसंख्यक सीटें जीतती रही। कर्नाटक की सत्ता गंवाने और खासकर विपक्षी एकता के बाद भाजपा ने भी एन.डी.ए. को सक्रिय करते हुए रूठे हुए दोस्तों को मनाने के साथ ही नए दोस्तों की तलाश शुरू की। बेशक संख्या की दृष्टि से दर्जनों दल जुटे, पर जद सैकुलर के अलावा शायद ही कोई ऐसा दल हो, जो अगले लोकसभा चुनाव में मददगार साबित हो सकता हो। हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों के मद्देनजर जद सैकुलर भी कितना प्रभावी साबित होगा—यह समय ही बताएगा, लेकिन देवेगौड़ा की इस पार्टी का कुछ क्षेत्रों में अच्छा असर रहा है। जद सैकुलर से चुनावी गठबंधन की बात सिरे चढ़ जाने से भाजपा जितनी आश्वस्त हुई होगी, उससे ज्यादा उसकी चिंताएं अन्नाद्रमुक और जन सेना से दोस्ती टूट जाने से बढ़ गई हैं। सनातन धर्म पर विवाद के चलते तमिलनाडु के दूसरे बड़े दल अन्नाद्रमुक ने भाजपा से गठबंधन समाप्त करने का ऐलान कर दिया है। तमिलनाडु से 39 लोकसभा सदस्य चुने जाते हैं और कांग्रेस का सत्तारूढ़ द्रमुक से गठबंधन है। एकमात्र लोकसभा सीट वाले पुडुचेरी का चुनावी रुझान भी अक्सर तमिलनाडु जैसा ही रहता है। ऐसे में भाजपा का खाता भी वहां खुल पाना आसान नहीं होगा। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टी.डी.पी. से भी गठबंधन की बातचीत भाजपा कर रही थी, लेकिन सिरे नहीं चढ़ पाई। बताया जा रहा है कि नायडू आंध्र के साथ ही तेलंगाना में भी गठबंधन चाहते थे। पर वहां भी भाजपा इतनी मजबूत तो नहीं कि अकेले के.सी.आर. की बी.आर.एस. को टक्कर दे सके। तब क्या भाजपा और बी.आर.एस. के बीच गुप्त सहमति की अटकलें सही हैं? सच जो भी हो, टी.डी.पी. से बातचीत सिरे न चढ़ पाने का एक और नुकसान भाजपा को यह हुआ है कि लोकप्रिय फिल्म अभिनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी ने भी नायडू की पार्टी के साथ ही चुनाव लड़ने का फैसला किया है। आंध्र में फिलहाल जगनमोहन रेड्डी की वाई.एस.आर.सी.पी. की सरकार है, जिसके केंद्र सरकार के साथ मधुर रिश्ते रहे हैं, पर वह भाजपा को राज्य की राजनीति में पैर क्यों जमाने देगी, जबकि उसे विधानसभा में अपने दम पर बहुमत के अलावा लोकसभा की 25 में से 22 सीटें हासिल हैं? शेष 3 सीटें टी.डी.पी. के पास हैं, और दोनों राष्ट्रीय दल-भाजपा-कांग्रेस के हाथ खाली हैं। हां, आंध्र से ही अलग होकर पृथक राज्य बने तेलंगाना में अवश्य भाजपा 17 में से 4 सीटें जीतने में सफल रही थी पिछली बार। अब बी.आर.एस. बन गई सत्तारूढ़ टी.आर.एस. ने तब 9 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के हिस्से एक-एक सीट आई थी। सहमति की अटकलें सही भी हों तो चाहे विधानसभा चुनाव हों या लोकसभा—अपने चुनावी समीकरण के मद्देनजर के.सी.आर. भाजपा से गठबंधन का जोखिम शायद ही उठाएं। एक और दक्षिण भारतीय राज्य केरल से 20 लोकसभा सदस्य चुने जाते हैं और पिछली बार सत्तारूढ़ माकपा को एक सीट के अलावा शेष सभी 19 सीटें कांग्रेस के नेतृत्व वाले यू.डी.एफ. ने जीती थीं। कांग्रेस को अकेले ही 15 सीटें मिली थीं। ऐसे में दक्षिण भारत की राजनीति में भाजपा की बढ़ती मुश्किलें समझी जा सकती हैं। केंद्र शासित क्षेत्र पुडुचेरी और 5 दक्षिण भारतीय राज्यों-तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना से लगभग 900 विधायक ही नहीं, लोकसभा के 130 सांसद भी चुने जाते हैं। बेशक इनमें से अभी मात्र 29 सीटें ही भाजपा के पास हैं, और उनमें से भी सबसे ज्यादा 25 उसने कर्नाटक से जीती थीं। संतोष की बात यह हो सकती है कि कांग्रेस के पास भी मात्र 27 सीटें ही हैं, और शेष पर क्षेत्रीय दलों का कब्जा है, पर अगले लोकसभा चुनाव में जब मुकाबला बेहद कड़ा होता नजर आ रहा है, सत्ता के दावेदारों की झोली में पड़ने वाली एक-एक सीट महत्वपूर्ण हो जाएगी। भाजपा की ये दुश्चिंताएं तब और भी गहरी हो जाती हैं, जब कर्नाटक में न सिर्फ सत्ता हाथ से फिसल गई, बल्कि वोट बैंक भी दरक गया। ऐसा होना जरूरी नहीं, पर यदि विधानसभा चुनाव परिणाम को आधार मान लें तो भाजपा को वहां 18 लोकसभा सीटों का नुक्सान हो सकता है।

विश्व विजेता बनने का चीन का ख्वाब अधूरा रह गया

चीन ने कुछ वर्षों पहले अपनी विदेश नीति में बदलाव करते हुए उसे आक्रामक बना दिया था, दरअसल जिस तेजी के साथ चीन ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र में तरक्की की उसे देखते हुए चीन ने विश्व विजेता बनने का ख्वाब देखना शुरू किया और अमरीका से मुकाबला करने लगा। विश्व पटल पर दुनिया का ध्यान तेजी से आकर्षित करने के लिए शी जिनपिंग ने आक्रामक विदेश नीति अपनाई। मार्च 2020 में विदेश विभाग के प्रवक्ता त्साओ लीजियान ने चीन में कोविड-19 महामारी फैलाने के लिए अमरीका को दोष दिया और कहा कि अक्तूबर 2019 में विश्व मिलिट्री खेलों के दौरान अमरीकी सैनिकों ने चीन में इसका वायरस छोड़ा था, हालांकि इसके समर्थन में वह कोई सबूत पेश नहीं कर पाए। इसी तर्ज पर त्साओ लीजियान ने वर्ष 2020 में अफगानिस्तान में एक आस्ट्रेलियाई सैनिक द्वारा अफगान बच्चे की गर्दन काटने की तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट की थी, यह दिखाने के लिए कि आस्ट्रेलिया अफगानिस्तान में कितना अत्याचार कर रहा है। वहीं फ्रांस में चीन के राजदूत लू शाई ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए पश्चिम की नीतियों की आलोचना की थी। इसके साथ ही लू ने फ्रांसीसी कानून निर्माताओं, शोधकर्ताओं और वहां के मीडिया को भी ताईवान परस्त होने पर उनकी आलोचना की। तंग श्याओ फिंग की सत्ता के दौरान राजनयिक कुछ भी बोलने से पहले कई बार सोचते थे और तोलकर बोलते थे, विदेश मीडिया से किसी भी तरह का वास्ता नहीं रखते थे लेकिन शी जिनपिंग के शासन में यही राजनयिक मीडिया के सामने बहुत सक्रिय हो गए और आक्रामक होकर बोलने लगे, इसके साथ ही ये लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचने भी लगे।

लेन-देन के रिश्ते से ऊपर है मित्रता का रिश्ता

मनीष कुमार चौधरी

अगर हमारा मित्र या परिवार का सदस्य हमसे कोई मदद मांगता है, तो हम बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना किसी भी तरह से उसकी मदद करने की पूरी कोशिश करते हैं। मित्रता के मूल में यही है। एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना और बदले में कोई लेन-देन की अपेक्षा न रखना। लेकिन गुजरते समय के साथ ये बंधन बहुत अधिक लेन-देन वाले होने लगे हैं। लोग एक-दूसरे को सच्चे संपर्क के रूप में कम और संसाधनों के रूप में अधिक देखते हैं। दोस्ती और रिश्तों के प्रति अधिक व्यावसायिक दृष्टिकोण की ओर झुकता यह बदलाव स्वतंत्र या ऐच्छिक नहीं है। महामारी के बाद से कई रिश्ते मुख्य रूप से आनलाइन स्थानांतरित हो गए हैं। जब दोस्ती डिजिटल रूप से आगे बढ़ती है, तो हम कभी-कभी रिश्ते में संबंध और अंतरंगता की गहराई खो सकते हैं जो हमारे पास व्यक्तिगत रूप से हो सकती है। दोस्ती में सूक्ष्म समझ और प्राकृतिक संबंध की कमी हो सकती है। इन परिस्थितियों में लेन-देन शैली की दोस्ती अधिक आसानी से स्थापित हो जाती है। जब देना और लेना असंतुलित हो जाता है, तो एक दोस्त को ऐसा महसूस हो सकता है कि उसका उपयोग किया जा रहा है या कम से कम ऐसा महसूस हो सकता है जैसे कि वे दोस्ती में वापस पाने की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं। कुछ देने और लेने पर एक 'रेखा' खींचना खतरनाक है, क्योंकि इसे परिभाषित करना अक्सर कठिन होता है। रिश्ते भी उतने ही अलग होते हैं, जितने उनमें शामिल लोग होते हैं। दोस्ती में देना और लेना एक कठिन अवधारणा होती है। दोस्ती के लिए कौन 'अधिक' कर रहा है, इसका संतुलन आगे और पीछे होता रहेगा और समय के साथ काफी हद तक यह बराबर बात होनी चाहिए। लेकिन अल्पावधि में यह निर्धारित करना बेहद मुश्किल है कि कौन अधिक दे रहा है। हो सकता है कि एक मित्र कठिन समय से गुजर रहा हो। ऐसे में दूसरे मित्र को समय-निर्धारण के मामले में लचीला होना चाहिए। दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जो रोजमर्रा के किसी भी कीमती सामान के लेन-देन से ऊपर है। दोस्ती में लोगों के बीच मतभेद होते हैं, वे प्यार और उपहार देते और लेते हैं, लेकिन ये भूलने के लिए हैं। महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि कोई अपने दोस्त की सर्वोत्तम तरीके से कैसे मदद कर सकता है। इस दुनिया में कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। हर चीज की एक कीमत होती है। अगर हम अच्छे दोस्त चाहते हैं, तो हमें अपने दोस्तों के लिए भी एक अच्छा दोस्त बनने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारे साझा सांस्कृतिक मूल्य अक्सर मित्रता संचालित करने के तरीकों के केंद्र में होते हैं। सांस्कृतिक वातावरण व्यवहार के स्वरूप, दृष्टिकोण और मूल्यों जैसी चीजों को प्रभावित करते हैं। यहां तक कि हमारी व्यक्तिगत और सांप्रदायिक पहचान की भावना भी। जब संस्कृति तेजी से बदलती है, तो हमारी मित्रता भी अक्सर उसी के अनुसार बदल जाती है। इन दिनों हम सामुदायिक मानसिकता से दूर जाने लगे हैं। स्वभाव से अति-व्यक्तिवादी होते जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप हमारे हर रिश्ते में लेन-देन का दृष्टिकोण घर करता जा रहा है। लेन-देन संबंधी मित्रता का बढ़ना हमारी संस्कृति के व्यक्तिवाद और निज स्वार्थ पर केंद्रित होने का लक्षण है। हम खुश, पूर्ण और सफल होना चाहते हैं, लेकिन व्यक्तिगत समय या ऊर्जा का त्याग किए बिना भी ये चीजें चाहते हैं। जबकि रिश्ते बनाने में आपसी सहयोग और प्रयास की आवश्यकता होती है। बहुत से लोग उन रिश्तों को चुनते हैं जो आसान और सुविधाजनक होते हैं। अगर हमें लगता है कि हम मित्रता में अपने मित्र से अधिक निवेश कर रहे हैं, तो क्रोधित नहीं होना चाहिए। इसके बजाय उन चीजों के बारे में सोचने की जरूरत है, जो हमारा मित्र कर रहा होगा, जिन पर शायद हमने पहले ध्यान नहीं दिया था। पर याद रहे कि अगर हमारा कोई मित्र, जो बदले में कोई मदद किए बिना नियमित रूप से हमारी उदारता का लाभ उठाता है, तो यह पुनर्मूल्यांकन करने का समय है कि दोनों के बीच चीजें कैसी चल रही हैं।

जातिगत गैर-बराबरी की खाइयों को पाटना जरूरी

यह लेख मैं सभी पाठकों के साथ हाल ही में संपन्न हुई जातिगत गणना पर अपने विचार साझा करने के लिए लिख रहा हूं। इस विषय पर जितनी खुलकर चर्चा हो, उतना अच्छा है। सामाजिक न्याय के मामले में आज भी अगर हमारी सोच और बातचीत का दायरा संकीर्ण है, तो इसका एक बड़ा कारण यह है कि हम लंबे समय से इस विषय पर पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर व्यापक बातचीत नहीं कर पाए हैं, पर सामाजिक न्याय के मामलों को हम अनिश्चितकालीन इतिहास के प्रतीक्षालय में नहीं छोड़ सकते। समय की मांग है कि शोषित, वंचित, पिछड़े वर्गों के मुद्दों को सुना-समझा जाए। धैर्य और सहानुभूति के साथ उनसे जुड़ा जाए और जातिगत गणना के संदर्भ को समझकर, स्वीकार कर उनके साथ आगे बढ़ा जाए। जाति-व्यवस्था समाज को अलग-अलग हिस्सों में बांटती है। इस क्रम में कोई ऊपर है, तो कोई नीचे। जाहिर है, जो ऊपर है, वह मजबूत; जो नीचे है, वह कमजोर। जाति-व्यवस्था को मनुष्य ने बनाया है और उसी ने बरकरार रखा है। समकालीन आधुनिक समाज में इस बात को कोई नकार नहीं सकता। क्या कोई भी संवेदनशील व्यक्ति यह मान सकता है कि सारे मनुष्य बराबर नहीं हैं? यह व्यवस्था प्राकृतिक नहीं है। कभी इसे धर्म के आधार पर सही ठहराया गया, तो कभी संस्कृति के। यह व्यवस्था इतनी मजबूत है कि समय के साथ-साथ सामाजिक असमानता की खाइयां गहरी हो रही हैं। असमानता की इन्हीं खाइयों को पाटने के लिए इनकी गहराई व चौड़ाई मापना जरूरी है। बिहार जातिगत गणना के साथ हमने यही काम शुरू किया है। पिछली जातिगत जनगणना 1931 में ब्रिटिश राज के दौरान हुई थी। अगर बिहार में हुई जातिगत गणना के आंकड़े देखे जाएं, तो यह दुखद एहसास होता है कि बीती एक सदी में हमें शोषित, वंचित, पिछड़े वर्गों के उत्थान और हितों की रक्षा के लिए बहुत कुछ करना चाहिए था। बहुत लंबे समय से राष्ट्र-निर्माण के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर निर्णयों में समाज के एक छोटे वर्ग का अनुपातहीन प्रभाव रहा है। इसीलिए हम चाहते हैं कि जातीय असमानता के तमाम मुद्दों पर आंकड़ों के साथ चर्चा और साक्ष्य पर आधारित नीति-निर्माण हो। हमारा यह स्पष्ट मत रहा है कि जाति-व्यवस्था को अनदेखा नहीं किया जा सकता, क्योंकि असमानता सिर्फ आर्थिक नहीं है, सामाजिक भी है। अगर हम समाज को ठीक से समझेंगे नहीं, तो फिर उसकी कमियों से कैसे निपटेंगे? बाबा साहेब आंबेडकर के अनुयायी होने के नाते हमारा मानना है कि जाति-व्यवस्था के विनाश के बिना जाति का विनाश असंभव है। जातिगत गणना को लेकर कुछ गलतफहमियां और अफवाहें पनप रही हैं। 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' का नारा बिहार जातीय गणना के संदर्भ में एक बार फिर मुखर होकर लगाया गया है। इसमें कोई दबी-छिपी मांग नहीं है। आरक्षण की मांग इस नारे का एक ऐतिहासिक हिस्सा है, लेकिन आज के दौर में बात सिर्फ आरक्षण से शुरू होकर आरक्षण पर खत्म नहीं हो सकती। इस नारे में सम्मान और गरिमापूर्ण जिंदगी जीने के सुर भी हैं। आरक्षण का लाभ किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, उससे जुड़े परिवार व समुदाय को भी होता है, पर इन समुदायों को लगातार योग्यता, गुणवत्ता और विपरीत भेदभाव के दावों का सामना करना पड़ता है। आरक्षण और तमाम सकारात्मक कार्रवाई की नीतियां मौजूदा असंतुलन को ठीक करने के लिए डिजाइन की गई हैं, ये नीतियां दूसरों को नुकसान पहुंचाएऐतिहासिक रूप से विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि के व्यक्तियों पर किसी भी संभावित नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए सकारात्मक कार्रवाई कार्यक्रमों के पैमाने और दायरे को समायोजित किया जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक-5022

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5021

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5022

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2014 को इवो मोरालेस तीसरी बार इस देश के राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. मक्का की एक इमारत जिसे मुस्लिम ईश्वर का घर मानते है (2)
5. हुड़दंग, धमा चौकड़ी (3)
6. अतिथि, अतिथ्य (3)
8. हमला, चढ़ाई, धावा, आक्रमण (4)
10. नासमझ, अनुभवहीन बालक (3)
12. मित्र, दोस्त, प्रेमपात्र (3)
15. पुण्यफल, अपराध, आदि करने के लिए उपयुक्त अवसर (2)
16. मनोज कुमार-शर्मिला टैगोर अभिनीत 1966 की एक सफल फिल्म (6)
20. हिंदी के बारह महीनों में से एक (3)
21. गार, गुफा (2)
23. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)
24. प्रारंभ, आगाज, कार्य आरंभ (3)

ऊपर से नीचे
1. ज्ञान होना, प्रबुद्ध होना, सूझना (4)
2. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित देश पेरू की यह राजधानी है (2)
3. सम्मिश्रण, सम्मिलन, विलीनन (4)
4. पहले वाराणसी(बनारस) का नाम यह था (2)
6. पुरानी फिल्मों के दिवंगत हास्य अभिनेता (1937-89) निधन 30 अप्रैल 1992 को हुआ (2)
7. अनुभव, ज्ञान समझना, जानकारी (3)
9. अंतिम अवसर, दशा, संयोग (3)
11. पांडवों के गुरु होने के कारण गुरुआचार्य का एक नाम (5)
13. जमीन नापने की एक प्राचीन इकाई (2)
14. [illegible] नाम इस मौसम के साथ जुड़ा है (2)
16. पुरुषों के सिर का एक परिधान, पगड़ी (2)
17. महिला ईसाई पादरी को यह कहते है (2)
18. वंश, कुल, खानदान (3)
19. लकड़ी, भूसे आदि की दुकान (2)
22. बृहस्पति का नाम, कला सिखलाने वाला व्यक्ति (2)

वर्ग पहेली 5021 का हल

रावण दहन के लिए- दशहरे पर कॉलेज मैदान में दहन किए जाने वाले रावण, कुंभकर्ण व मेघनाथ के पुतलों का निर्माण शुरू हो गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम नई पीढ़ी को समाज से जोड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी है

महाराजा अग्रसेन जयंती पर पांच दिवसीय कार्यक्रमों का खुशनुमा माहौल में हुआ शुभारंभ

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज देसी पंचायत मंदसौर द्वारा नरसिंहपुरा स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन परिसर महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती पर आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर समाजसेवी श्री हंसराज कबाड़ी, विकास अग्रवाल, आदिश गर्ग , अशोक मित्तल ,

राजमल गर्ग ,नरेंद्र अग्रवाल ,अनिल गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल पार्षद श्रीमती श्रीमती प्रमिला गोयल ने किया.ख समारोह की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष श्री आशीष गुप्ता ने की। इस अवसर पर श्री सुरेश गर्ग अंकित, कोषाध्यक्ष श्री राजेश मित्तल, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती बिना गर्ग , सचिव मनीषा गर्ग, गर्ल्स कलब अध्यक्ष आषी गोयल एवं महासचिव खुशी गोयल गोयल भी मंचस्थ थे।

इस अवसर पर पांच दिवसीय अग्रसेन जयंती समारोह का शुभारंभ करते हुए अतिथियों ने कहा कि अग्रवाल समाज देसी पंचायत मंदसौर द्वारा अपने पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन जी की 5147 वी जयंती पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही हैं।मंदसौर शहर में समाज द्वारा सामाजिक धार्मिक क्षेत्र में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते हुए रचनात्मक कार्य किए जाते हैं। महाराजा अग्रसेन जी की प्रेरणा से मंदसौर शहर का अग्र बंधु प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और तन मन धन से हर समय मदद को तत्पर रहता हैं। दीन दुखियों और जरूरतमंदों की मदद के लिए यदि कोई समाज अग्रणी है तो उनमें अग्रवाल समाज का नाम प्रमुखता से लिया जाता हैं.ख समाज द्वारा अपने पितृ पुरुष की जन्म जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर नई पीढ़ी को एक दिशा देने का कार्य समाज द्वारा किया जा रहा हैं।समाज के युवाओं को समाज के रीति-रिवाज एवं परंपराओं से अवगत कराने का सांस्कृतिक कार्यक्रम एक माध्यम है। सांस्कृतिक मंच पर बच्चों से लेकर बडों द्वारा जो प्रस्तुतियां दी जाती है वह प्रस्तुतियां समाज और देश को संदेश देती है कहीं ना कहीं यह प्रस्तुतिया हमारे पितृ पुरुष द्वारा बताए गए सदकार्य सबके सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए समाज अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने शुभकामनाएं देते हुए पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा रखी। प्रथम दिवस आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम फैंसी ड्रेस उम्र 0 से 3 वर्ष में प्रथम स्थान अधीरा यश मित्तल, द्वितीय लीशिका हनी अग्रवाल ,एवं तृतीय रियाणा गौरव कबाड़ी रहीं नर्सरी से कक्षा प्रथम मूवी विलन विषय में प्रथम रियांश यश मित्तल, द्वितीय जियांस दीपक अग्रवाल, तृतीय अबीर महूंल अग्रवाल रहे शिक्षक विषय पर फैंसी ड्रेस कक्षा 2 से पांचवी में प्रथम आध्या रौनक अग्रवाल, द्वितीय खनक जितेंद्र गर्ग एवं तृतीय अभिराज पंकज सिंहल रहे । तीनों प्रतियोगिताओं में निर्णायक अतिथि के रूप में शिक्षाविद आरती जैन एवं छवि तोमर उपस्थित थे। तीनों प्रतियोगिताओं में विजेताओं के अलावा सभी 70 प्रतियोगियों को पुरस्कार अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए ख निर्णायक अतिथियों एवं प्रतियोगिता संयोजक शिल्पा मित्तल , रिंकूगुप्ता, शशि जिंदल , श्रुति गर्ग, रानी सिंहल एवं सरिता गुप्ता को प्रतीक चिन्ह भेंटकर समाज की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव ओम अग्रवाल सर ने किया तथा आभार महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती बीना गर्ग ने माना। 13 अक्टूबर को शुक्रवार को प्रात 7:00 बजे से एपीएल अग्रवाल प्रीमियर लीग महिला क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन होगा इस आयोजन में चार महिला टीमें भाग ले रही है क्रिकेट स्पर्धा को लेकर समाज में काफी उत्साह का वातावरण बना हुआ हैं.ख संध्या 5:00 बजे से निर्धारित प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

नवरात्रि में नौ ही दिन अर्पित होगी मां नालछा को ध्वजा, प्रतिदिन निकलेगी ध्वजा यात्रा

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नालछा माता माता चरण सेवक समिति द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मां नाहरसिंह (नालछा) रानी को नवरात्रि में प्रतिदिन ध्वजा अर्पित की जाएगी। नौ दिनों तक प्रतिदिन श्री बड़े बालाजी मंदिर पुराना बस स्टैंड से प्रात: 5.30 बजे मां नालछा मंदिर तक वाहनों के माध्यम से ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी तथा नालछा माता रानी को ध्वजा अर्पित की जाएगी। इस धार्मिक आयोजन हेतु एक समिति का गठन किया गया जिसमे समाजसेवी अनिल सुराह को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया।

कार्यकारणी में संरक्षक विनोद रूनवाल, अध्यक्ष अनिल सुराह, उपाध्यक्ष ईश्वरसिंह चुंडावत, रामगोपाल शर्मा, सचिव शिवशंकर सोलंकी, सहसचिव कपिल सोलंकी, कोषाध्यक्ष महेंद्रसिंह सिसोदिया, सदस्यगण प्रदीप मालवीय, विशाल द्विवेदी, ओमप्रकाश सावलिया, यश साल्वी, विक्की जैन, भरत साहू, सुरेश टांक, मंगलसिंह राठौड़,गोपाल राठौड, कमल कंडारे, बबलू देवडा, कुलदीप दुबे, रवि ग्वाला आदि बनाए गए।

अंकुश भंडारी को गूगल के द्वारा स्टार्टअप के लिए सिंगापुर में सम्मानित किया

अपएजुकेटर्स के माध्यम से 25 देशों के 10 हजार से अधिक शिक्षकों को कर चुके है प्रशिक्षित

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। गुगल फॉर एजुकेशन द्वारा सिंगापुर में आयोजित कार्यक्रम में मंदसौर के अंकुश भण्डारी को स्टार्टअप के लिये गूगल चौम्पियन पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अंकुश विगत 2 वर्षों में 25 देंशों के लगभग 3 हजार स्कूलों व कॉलेजों के 10 हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुके है। वे सीए विकास भण्डारी के अनुज है।

अंकुश का जन्म भानपुरा में हुआ है और उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा दशपुर विद्यालय मंदसौर से पूरी की और पुणे में वाणिज्य में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। लेकिन आज शिक्षकों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुशल बनाने का उनका काम लगभग सभी के लिए प्रेरणा है। फिलहाल अंकुश इस स्टार्टअप को अगले स्तर पर ले जाने के लिए पुणे से काम कर रहे हैं। कोविड में कठिनाईयों से जूझ रहे शिक्षकों को देखकर आया विचार- पूरे भारत के बड़े शहरों में बहुत सारे स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं, वही डिजिटल क्रांति के इस समय में छोटे शहर भी स्टार्टअप की दुनिया में पीछे नहीं है। 2021 में कोविड के समय में कई शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षाएं लेने में कठिनाई का सामना करना पड रहा था। मंदसौर के सी.ए. विकास भण्डारी के अनुज अंकुश भंडारी और उनकी पत्नी ने शिक्षकों को इस नई डिजिटल दुनिया को अपनाने में मदद करने के बारे में सोचा, उन्होंनेअपने स्टर्टअप अपएजुकेटर्स की शुरुआत मन्दसौर से की। इस स्टार्टअप का उद्देश्य शिक्षकों को प्रौद्योगिकी और आधुनिक शिक्षण प्रथाओं में कुशल बनाना है। 20 देशों के 10 हजार शिक्षक हुए प्रशिक्षित- अंकुश के इस स्टार्टअप ने पिछले 2 वर्षों में 10,000 सें अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। इस उपलब्धि के कारण गूगल फॉर एजुकेशन ने सिंगापुर में स्टार्टअप के संस्थापक अंकुश भंडारी को गूगल चौंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस स्टार्टअप ने लगभग 25 देशों के लगभग 3000 स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। इस स्टार्टअप ने लगभग 1000 शिक्षकों को गूगल या माइक्रोसॉफ्ट शिक्षक बनने में मदद की है। 2022 में अपएजुकेटर्स द्वारा प्रशिक्षित किए गए दो शिक्षकों को सितंबर 2023 में भारत के राष्ट्रपति से राष्ट्रीय शिक्षण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वर्तमान में यह स्टार्टअप शिक्षकों को रोबोटिक्स, कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शिक्षा में प्रौद्योगिकी और नवीन शिक्षण प्रथाओं पर प्रशिक्षण दे रहा है। ढाई लाख शिक्षक कर रहे है फॉलो- आधुनिक शिक्षण पद्धतियों पर शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए लगभग 15 राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता शिक्षक अपएजुकेटर केसाथ जुड़े हुए हैं। सोशल मीडिया पर भी इस स्टार्टअप की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। लगभग 2.5 लाख शिक्षक, शिक्षण संबंधी टिप्स पाने के लिए अपएजुकेटर के सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो कर रहे हैं। उनके गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें शिक्षकों से उत्कृष्टप्रतिक्रिया मिलती रही है। लगभग 1300 शिक्षकों ने उन्हें गुगल रिव्यूह पर 5 में से 4.9 रेटिंग दी है।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमले की निन्दा

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पिछले दिनों मीडिया संस्थानों पर डाले गए छापे और पत्रकारों की गिरफ्तारियों की प्रगतिशील लेखक संघ इकाई ने कडी निंदा की है। एक बयान में इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर बेहूदा हमला करार दिया है और इसे मीडिया की आवाज को यूएपीए जैसे कठोर कानून के तहत दबाने वाली करतूत बताया है। प्रगतिशील लेखक संघ इकाई के अध्यक्ष रामनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ स्वप्निल ओझा सचिव दिनेश बसेर ने संगठन की और से जारी विज्ञप्ति में कहा है कि मीडिया और पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा खम्बा कहा गया है। परंतु सरकार अपने सत्ता के बल से इस चौथे खंबे को उखाड़ने की पुरजोर कोशिश कर रही है। सत्ता के नशे में पत्रकारों और मीडिया संस्थानों को दबाया जा रहा है। पिछले दिनों न्यूजक्लिक से जुडे पत्रकारों पर जो अलोकतांत्रिक, गैर कानूनी कार्रवाई हुई है वह सच्चे मीडिया की आवाज़ को दबाने का स्पष्टषड्यंत्र हैं। प्र ले सं ने दिल्ली में अनेक पत्रकारों, व्यंग्यकारो, वैज्ञानिकों, इतिहासकारों और स्वतंत्र टिप्पणीकारो के घरों पर छापे मारकर उनके लैपटॉप,कैमरा,फोन आदि की जब्ती की कडी भर्त्सना की है, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया है।

दशपुर रंगमंच ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का जन्मदिन मनाया

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर रंगमंच द्वारा सदी के महानायक अभिनेता अमिताभ बच्चन का जन्मदिन केक काट कर व उनकी फिल्मों के गीतों को गाकर मनाया गया। सभी ने अदाकारी के शहंशाह श्री बचन के शतायु होने की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार ललित बटवाल ने की।

कार्यक्रम सर्वप्रथम राजकुमार अग्रवाल ने खईके पान बनारस वाला खुल जाए बंद अकल का ताला गीत गाकर प्रोग्राम की शुरुआत करी। आबिद भाईने छूकर मेरे मन को किया तूने क्या इशारा गाया। सतीश सोनी ने मंजिले अपनी जगह रास्ते अपनी जगह है सुनाया। हिमांशु वर्मा ने सलामत रहे दोस्ताना हमारा को प्रस्तुत किया। स्वाति रिछावरा ने आदमी जो कहता है आदमी जो सुनता है जिंदगी भर वो सदाएं है पीछा करती की सुमधुर प्रस्तुति दी। चेतन व्यास ने भोले ओ भोले तू रूठा दिल टूटा गाया। आरक्षक नरेंद्र सागोरे ने रिमझिम गिरे सावन सुलग सुलग जाए मन को सुनाकर संगीत की महफील को आगे बढ़ाया। लोकेंद्र पांडे ने सारा जमाना हसीनों का दीवाना सुनाकर माहौल मस्ताना किया। भरत लखानी ने सदाबहार गीत मीत ना मिला रेमन का की प्रस्तुति दी। ललिता मेहता ने ओसाथी रेतेरे बिना भी क्या जीना को सुनाया। नंदकिशोर राठौर ने कहीं दूर जब दिन ढल जाये को सुनाया तो वहीं राजा सोनी ने परदेसिया यह सच है पिया सब कहते हैं मैंने तुझको दिल दे दिया की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम संचालन अभय मेहता ने किया।

मानसिक रोगों का समय से ईलाज जरूरी-डॉ.वधवा

नीमच, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मनुष्य में अनेक बार मानसिक बिमारियाँ हो जाती हैं, लेकिन उसे गम्भीरता से नहीं लिया जाता है। झाड-फूँक करवाकर, मानसिक बिमारियों का ईलाज करवाया जाता है, जो सरासर गलत है। इसके लिए मनो चिकित्सक की सहायता लेनी चाहिए। मेन्टल हैल्थ के लिए गहरी नींद, सुपाच्य भोजन, मानसिक शांति अति आवश्यक हैं। छात्रों को अपनी दिनचर्या सही तरीके से बनाकर, उस पर अमल करना चाहिए। उक्त विचार जिला चिकित्सालय की मनो- चिकित्सक डॉ.स्वाति वधवा ने शा. उत्कृष्ट विद्यालय के 12 वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के बीच प्रस्तुत किये। उन्होंने छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में गहन चर्चा की एवं एक फिल्म भी दिखाई। उक्त कार्यक्रम वर्ल्ड मेंटल हैल्थ डे.के.अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं ओलीवर गोल्डी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में सभी छात्रों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राएँ एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

श्री कृष्ण सुदामा की मित्रता संसार में प्रेरणादायक है-पं. आमेटा

नीमच, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री कृष्ण भगवान जब सांदीपनि आश्रम गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उसे समय एक चोर अपने चने की पोटली गुरुकुल में फेंक गया।वही चने की पोटली गुरु मां ने सुदामा और कृष्णा दोनों को जंगल में लकडी काटने के समय भूख लगने पर प्रसाद के रूप में ग्रहण करने के लिए दी थी। सुदामा को चने खाने वाले को जीवन भर दरिद्रता का श्राप लगने जानकारी थी।सुदामा नहीं चाहते थे कि श्री कृष्ण के जीवन में दरिद्रता आए इसलिए उन्होंने सारे चने स्वयं खा लिए और श्री कृष्ण को चने नहीं खाने दिए।उन्होंने श्री कृष्णा पर

आने वाली दरिद्रता को स्वयं ग्रहण कर लिया और जीवन पर्यंत कष्टसहन किया लेकिन कभी श्री कृष्ण से नहीं कहा कि यह कष्ट उनके कारण उन्हें मिला है। श्री कृष्णा और सुदामा की यही मित्रता संसार को आदर्श प्रेरणा का संदेश देती हैं।यह बात पं. अशोक कुमार आमेटा सुवाखेड़ा वाले ने कहीं। वे नयागांव के पुरोहित परिवार के तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा विश्राम पर आयोजित कथा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री कृष्णा से जब सुदामा मिलने गए तो श्री कृष्ण ने दो मुट्ठी चावल के बदले दो लोक का राज सुदामा को प्रदान कर दिया था। तीसरी मुट्ठी के चावल कृष्ण खाने वाले थे रुक्मणी ने हाथ से रोक दिया था और कहा कि सब कुछ दे दोगे तो आप क्या करोगे। सुदामा के आगमन पर कृष्ण ने सुदामा के चरण आंसुओं से धुलाए यह भाव विहल दृश्य सुनकर श्रद्धालु भाव विहल हो गए थे।इस अवसर पर श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में संगीत कलाकारों एवं पंडित आमेटा का भागवत आयोजन समिति द्वारा शाल श्रीफल से सम्मान किया।कथा का विश्राम पूर्णाहुति के साथ किया गया। श्रीमद् भागवत पौथी पुरोहित परिवार से बड़े मंदिर से पुरोहित मोहल्ला कथा स्थल पर पहुंची। जहां कथा का विश्राम हुआ। इस दौरान जानकीलाल पुरोहित, रणवीर सिंह पुरोहित, राजेंद्र सिंह पुरोहित, घनश्याम पुरोहित, अनिल पुरोहित, जगदीशचंद्र पुरोहित, सत्यनारायण पुरोहित, राधेश्याम पुरोहित, रमाकांत पुरोहित, विजय पुरोहित, जसवंत सिंह पुरोहित, राकेश पुरोहित, दिलीप सिंह पुरोहित, नारायण सिंह पुरोहित, सुर्य प्रकाश सिंह पुरोहित सहित बडी संख्या में महिला व पुरुष मौजूद रहे।

सर्वपितृ अमावस्या पर नि:शुल्क पितृ तर्पण कल

नीमच, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच की पावन धरा पर कर्मकाण्डीय विप्र परिषद नीमच द्वारा सब प्रकार के ऋण से मुक्ति एवं पितृ कृपा प्राप्ति हेतु देव, ऋषि, पितरों के तर्पण का भव्य आयोजन सर्वपितृ अमावस्या 14 अक्टूबर 2023 शनिवार को स्थानीय डॉ.राजेन्द्रप्रसाद स्टेडियम में रखा गया है जो इस दिन प्रात: 6.30 बजे से प्रारंभ होगा। गत वर्ष यही आयोजन शिवघाट पर आयोजित था, जहां स्थान की कमी देखी गई थी। श्रद्धालुओं की भावनाओं एवं पितृभक्ति को देखते हुए इस बार यह आयोजन शहर के ह्दयस्थल डॉ.राजेन्द्रप्रसाद स्टेडियम में रखा गया है ताकि अधिक से अधिक लोग तर्पण कार्य में सम्मिलित हो सकें। आयोजन पूर्णत: नि:शुल्क है। कर्मकाण्डीय विप्र परिषद के अध्यक्ष पं.राधेष्याम उपाध्याय ने बताया कि सभी लोग इस स्वर्णिम अवसर का लाभ प्राप्त करके ऋणों से मुक्ति एवं पितर कृपा प्राप्ति के अधिकारी बनेंगे। उक्त जानकारी मंत्री पं.जगदीश शर्मा ने दी।

स्थाई वारंटी धराया

पिपलियामंडी, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने 9 वर्ष से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को पकड़ा। पिपलिया पुलिस ने धारा 353, 289, 294, 357, 332 में सन 2014 से फरार चल रहे आरोपी अमरपुरा (मल्हारगढ़) निवासी विनोद पिता नारुनाथ कालबेलिया को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय ने जेल भेजने के आदेश दिए।

कर्नाटक की तर्ज पर मप्र में कांग्रेस चुनाव लड़ सकती हैं-बैरागी

सुवासरा, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी दिनों मे मध्यप्रदेश में मिशन 2023 विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सुवासरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 226 में मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार गिरने के बाद उपचुनाव हुए थे वही

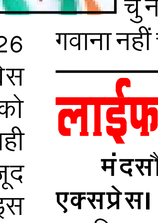

सुवासरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 226 में भी उपचुनाव हुए थे जिसमें कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी राकेश पाटीदार को करारी हार का सामना करना पड़ा वही 31000 वोटो से हारे उसके बावजूद कांग्रेस में नए चेहरे की तलाश इस विधानसभा क्षेत्र में बनी हुई है उसको देखते हुए आगामी कुछ दिनों में चुनाव होने जा रहे हैं।

यह बात युवा नेता पंकज बैरागी ने कही। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर अगर कांग्रेस पार्टी विचार करें तो नए चेहरे के उपर दाव लगा सकती हैं वही कांग्रेस नए चेहरे के उपर दाव खेलती है तो निश्चित तौर पर सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं अब देखना यह है कि आगामी कुछ दिनों में कांग्रेस के चुनाव होने जा रहे हैं वहीं कांग्रेस इस चुनाव में अपना अवसर गवाना नहीं चाहती हैं इसीलिए कांग्रेस अच्छे प्रत्याशी की तलाश में है और अगर कांग्रेस हाई कमान अच्छे प्रत्याशी सुवासरा विधानसभा क्षेत्र को सौपती है तो निश्चित तौर पर यह सीट कांग्रेस की झोली में आसानी से आ सकती है वही मध्यप्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार बन सकती हैं वहीं भावी मुख्यमंत्री के रूप में कमलनाथ शपथ लेंगे।

लाईफ स्टाईल फार द एनवायर्नमेन्ट के तहत प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर की प्राचार्य डा.उमा गगरानी ने जानकारी दी कि महाविद्यालय में लाईफ स्टाईल फार द एनवायर्नमेन्ट के तहत महाविद्यालयीन ऊर्जा क्लब द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर प्रश्नोत्तरी (क्विज प्रतियोगिता) स्लोगन राइटिंग, निबन्ध प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। ऊर्जा क्लब के नोडल अधिकारी डा.अखलाक मन्सूरी द्वारा ऊर्जा साक्षरता अभियान पर जानकारी दी गई। ऊर्जा क्लब के एनर्जी लीडर श्री कांतिलाल कुमावत द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर जानकारी साझा की गई।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान क्रमश: तमन्ना शर्मा, बी.एससी प्रथम वर्ष, कृष्णा पाटीदार बी.एससी द्वितीय वर्ष एवं पार्वती माली बी.एससी द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में जिसका शीर्षक ऊर्जा संरक्षण जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर संपन्न हुई जिसके पक्ष में विजेता पूजा पाटीदार बी.एससी द्वितीय वर्ष एवं विपक्ष में विजेता तमन्ना शर्मा बी.एससी द्वितीय वर्ष रही। स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान क्रमश: माया चैहान बी.ए तृतीय वर्ष, रविना बी.एससी प्रथम वर्ष, खुशी टांक बी.ए द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान क्रमश: पार्वती माली बी.एससी द्वितीय वर्ष, खुशी टांक बी.काम द्वितीय वर्ष एवं हर्षिता राठौर बी.काम तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया।

तर्पण एक अनिवार्य और पुनीत कर्म है

तर्पण की महत्ता के विषय में शास्त्रों में लिखा है -

एकैक्स्य तिलैर्मिश्रांस्त्रींस्त्रीन् दद्याज्जलांजलीन।
यावज्जीवकृतं पापं तत्क्षणादेव नष्यति।।

अर्थात् एक एक पितर को तिलमिश्रित जल की तीन-तीन अंजलियां प्रदान करें। इस प्रकार तर्पण करने से जन्म से लेकर तर्पण के दिन तक किये गये पाप उसी समय नष्ट हो जाते हैं। तर्पण न करने से ब्रम्हादि देव और पितृगण तर्पण न करने वाले मानव के शरीर का रक्तपान करते हैं अर्थात् तर्पण न करने के पाप से शरीर का रक्त-षोषण होता है और व्यक्ति विभिन्न व्याधियों से घिर जाता है।

अतर्पिता शरीरद्रुधिरं पिबन्ति

अत: इससे यह सिद्ध होता है कि मानव को प्रतिदिन तर्पण करना चाहिये। इस भौतिक युग में अत्यधिक धन कमाने की चेष्ट और पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में साधारण मानव इतना उलझा रहता है कि वह नित्य तर्पण नहीं कर पाता है। श्राद्धपक्ष के पन्द्रह दिनों में तो तर्पण अवश्य करना चाहिए, यह भी नहीं कर सकें तो सर्वपितृ अमावस्या को तो अवश्य तर्पण करना चाहिए। प्रत्येक मानव पर देव, ऋषि, दिव्य मनुष्य, प्रकृति, पितृ, गुरू आदि अनेक प्रकार के ऋण होते हैं, जिसे तर्पण के माध्यम से चुकाया जा सकता है। तर्पण में पितृपक्ष और मातृपक्ष के दिवंगतों के अतिरिक्त जिन्हें जलांजलि के माध्यम से तृप्त किया जाता है, इसका उल्लेख कर रहा हूँ, इससे तर्पण के महत्व को जाना जा सकेगा:-

1. देव तर्पण में ब्रह्मा, विष्णु, रूद्र, प्रजापति, समस्त देव, छन्द, वेद, ऋषि, पुराणों के आचार्य, गन्धर्व, इतरादि आचार्य, संवत्सर, देव्य, अप्सर, देवानुगा, नाग, सागर, पर्वत, सरिता, मनुष्य, यक्ष, रक्ष, पिशाच, सुपर्णा, भूत, पशु, वनस्पति, समस्त औषधि, ग्राम देवता, स्थान देवता आदि।

2. ऋषि तर्पण में मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, वशिष्ठ, प्रचेता, भृगु, नारद आदि।

3. दिव्य मनुष्य तर्पण में सनक, सनन्दन, सनातन, कपिल, आसुरि, वोढु, पंचशिख।

4. दिव्य पितृ तर्पण में काव्यवाडनल, सोम, यम, अर्यमा, अग्निष्वात्ता: पितर, सोमपा:पितर, बर्हिर्षद: पितर

5. यम तर्पण में इन चौदह यमों को अंजलि दी जाती है - यम, धर्मराज, मृत्यवे, अन्तक, वैवस्वत, काल, सर्वभूतक्षय, औदुम्बर, दध्न, नील, परमेष्ठिने, वृकोदर, चित्र, चित्रगुप्त।

6. मनुष्य पितृ तर्पण में पिता, दादा, परदादा, माता, दादी, परदादी, नाना, परनाना, वृद्ध परनाना, नानी, परनानी, वृद्ध परनानी, दिवंगत पत्नी, दिवंगत पुत्र, पुत्री, दिवंगत काका, ताउ, मामा, भाई, बहिन, बुआ, श्वसुर, गुरू, गुरूपत्नी, मित्र, सौतेली मां, सौतेले भाई बहिन आदि।

नभचर, जलचर, थलचर आदि सप्तलोक के समस्त जीव-जन्तु, अकाल मृत्यु से मृत ज्ञात-अज्ञात रिश्तेदार, भीष्म पितामह आदि सभी को तर्पण कार्य में जलांजलि से तृप्त किया जाता है। इसके पश्चात सूर्य अर्ध्य और दसों दिशाओ को नमन और अन्त में ब्रह्म, अग्नि, पृथ्वी, औषधि, वाचे, वाचस्पति, महद्भय, विष्णु, अदभ्य, अपाम्पति और वरूण देवता को भी अंजलि दी जाती है।

यह एक सात्विक और पवित्र कर्म है, अत: अपने पापों और संकटों से निवृत्ति हेतु सर्वपितृ अमावस्या को तर्पण कर्म अवश्य करें।

पं.मालचन्द शर्मा, नीमच

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	24	1950	2200
उड़द	100	6550	9600
सोयाबीन	6200	3450	4650
गैहु	3158	2470	3150
चना	86	5400	6400
मसुर	201	5472	6262
धनिया	353	5000	6600
लहसुन	16200	7000	17000
मैथी	939	5000	7800
अलसी	1306	4501	4961
सरसो	322	4721	5313
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	26	15801	21200
प्याज	2390	521	2125
कलोंजी	87	9800	16421
डॉलर	9	11301	14001
तिल्ली	3	15538	15681
मटरसुखी	17	3002	3815
असालीया	28	7800	10171

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहीर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री प्रशांत पिता लक्ष्मणसिंह जी जाति ब्राम्हण, निवासी ग्राम नयागांव, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 15, ग्राम नयागांव, तहसील जावद, में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 420 रकबा 0.554 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 415, 416 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 419, 421 की भूमि, पूर्व में -सर्वे क्रमांक 417 की भूमि, पश्चिम् में - सर्वे क्रमांक 415 की भूमि स्थित हैं की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 12.10.2023

भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

आराधना के लिए- नवरात्रि महोत्सव को लेकर बाजार में माताजी की प्रतिमा की दुकानें सजने लगी है। वहीं जगह-जगह गरबा पांडाल भी तैयार होने लगे है।

सभी शासकीय भवन 15 नवम्बर तक रिक्त करे

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने विधानसभा निर्वाचन हेतु मतदान केंद्रों के लिए चिन्हित किए गए समस्त शासकीय/अशासकीय भवनों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 160 में प्रदत्त अधिकारों के तहत 16 नवंबर 2023 से 18 नवंबर 2023 तक की अवधि के लिए अधिग्रहित करने के आदेश जारी किये है। भवन स्वामी/भवन के आधिपत्य के विभाग को मतदान केंद्र हेतु निर्धारित भवन 15 नवम्बर 2023 को रिक्त करेंगे। इन भवनों में पूर्व की भांति फर्नीचर, दूरभाष आदि व्यवस्थाओं को यथावत रखा जावे।

मामला जयपुर में ब्लास्ट साजिश रचने का...

विस्फोटक सामग्री मामले में एनआइए ने की पूछताछ

कितने लोगों से क्या पूछताछ की गई यह पता नहीं चल पाया है, लेकिन बताया जाता है कि करीब 10 लोगों से पूछताछ की

रतलाम, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राजस्थान के जयपुर में ब्लास्ट करने की साजिश रचने के मामले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) द्वारा लगातार जांच की जा रही है। जांच के तहत एनआईए के अधिकारी ने गुरुवार को रतलाम पहुंचकर मामले से जुडे गिरफ्तार आरोपितों से जुड़े लोगों से पूछताछ की। कितने लोगों से क्या पूछताछ की गईयह पता नहीं चल पाया है, लेकिन बताया जाता है कि करीब 10 लोगों से पूछताछ की गई।

उल्लेखनीय की राजस्थान पुलिस द्वारा निंबाहेड़ा में मार्च 2022 को शहर के तीन युवकों को विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद मामला एनआईए को सौंप दिया गया था। बाद में पांच अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया था। वहीं दो आरोपितों को पुणे से भी गिरफ्तार किया गया। एनआईए ने आरोपितों के खिलाफ भादंवि की धारा 120बी, 121ए, 122, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 की धारा 4, 5, 6, शस्त्र अधिनियम की धारा 25 आदि के तहत प्रकरण दर्ज किया था। सूत्रों के अनुसार उक्त मामले में चल रही जांच के तहत एनआईए ने आरोपितों के रिश्तेदारों व अन्य लोगों को सूचना-पत्र जारी कर 12 अक्टूबर को मामले से संबंधित कुछ प्रश्नों के उत्तर

देने के लिए बुलाया था। सीएसपी ऑफिस के एक कक्ष में एक अधिकारी संबंधितों से पूछताछ कर उनके बयान लिए। उनसे क्या प्रश्न किए गए और क्या पूछताछ की गई, यह पता नहीं चल पाया। राजस्थान की निम्बाहेड़ा पुलिस ने 30 मार्च 2022 को कार में विस्फोटक सामग्री लेकर जाते आरोपित अल्तमस उर्फ अल्टू, सैफुद्दीन उर्फ सैफुल्लाह एवं जुबेर खान तीनों निवासी रतलाम को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से 12 किलो विस्फोटक पावडर, तीन कनेक्टर मय वायर के, छह छोटे बल्ब व वायर आदि सामग्री जब्त की गई थी। पूछताछ में आरोपितों ने विस्फोटक व अन्य सामग्री रतलाम से ही लेकर आना बताया था। पूछताछ में पुलिस को पता चला था कि तीनों आरोपित कट्टरपंथी संगठन अल सूफा ग्रुप के सदस्य है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस ने रतलाम के अलग-अलग क्षेत्रों दबिश देकर आरोपित इमरान खान, मजहर खान, अमीन खान, अमीन पटेल को गिरफ्तार किया था।फरार चल रहे आरोपित युनूस साकी व इमरान को जुलाई 2023 में पुणे में गिरफ्तार किया गया था।

बागियों का निलंबन बहाल करना शुरु

पिछले चुनावों में पार्टी लाईन से हटकर किए थे निर्णय, कई बागी लड़े थे तो अनेकों ने बागियों का दिया था साथ

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। चुनावों में साम-दाम-दंड-भेद का उपयोग कर जीतने के लिए दोनो ही प्रमुख दल जुट जाते है। अब विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भी भाजपा ने असंतुष्टों व बागियों को मनाने का सिलसिला शुरु कर दिया है। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में पार्टी लाईन के विपरित जाकर बगावत करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को वापिस बुलाने के लिए दरवाजा खोल दिया गया है। अभी तक एक सौ में से करीब 16 की वापसी हो गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया कहते है कि निकाय व पंचायत चुनाव के दौरान पार्टी से बगावत करने और बगावतियो का सहयोग करने वालो को शिकायतों के आधार पर जिलेभर से करीब 100 लोगों को अनुशासन समिति की अनुशंसा पर प्रदेश संगठन ने निलंबित किया था। प्रदेश संगठन से ही अब निर्देश मिले है कि जिला कार्यालय पर आवेदन आने पर निलंबन बहाल किया जाए। जिसके बाद अब तक 16 नेताओ के निलंबन बहाल हुए है।

भाजपा जिला संगठन ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए निलंबित भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं के निलंबन को बहाल कर फिर से पार्टी में एंट्री देने की शुरुआत तो कर दी है। लेकिन, अभी इसकी शुरुआत सिर्फ सीतामऊ व मंदसौर में ही हुई है। सीतामऊमें सबसे अधिक एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं का निलंबन बहाल हुआ है। वहीं मंदसौर में तीन ही कार्यकर्ताओं को बहाल कर पार्टी में फिर से लिया गया है। लेकिन, जिला भाजपा की माने तो आने वाले एक सप्ताह में अधिकांश निलंबित भाजपाइयों का निलंबन बहाल कर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में फिर से पार्टी में एंट्री देकर चुनाव अभियान से जोड़ा जाएगा।

मंदसौर नपा के पूर्व उपाध्यक्ष व पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील जैन महाबली नपा चुनाव के दौरान वार्ड 11 से पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे थे। वहीं वार्ड 20 में दिव्या अनूप माहेश्वरी को पहले टिकट आया और बाद में कटा। इससे खफा होकर उन्होंने भी निर्दलीय चुनाव लड़ा था। जिसके बाद पार्टी ने उनकी सदस्यता निलंबित की थी। अब पूर्व नपा उपाध्यक्ष जैन, पार्षद दिव्या व उनके पति अनूप माहेश्वरी का निलंबन बहाल किया है। हालांकि अभी भी वार्ड 9 से निर्दलीय चुनाव लडने वाले वीरेंद्र बिल्लू अग्रवाल सहित अन्य जो निलंबित हुए थे, उनके द्वारा आवेदन नहीं देने के कारण पार्टी ने बहाल नहीं किया है।

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेव

प्रसिद्ध गायिका आनंदिता बासु के मधुर भजनों को सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सहजयोग की संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मलादेवी के सानिध्य में सहजयोग परिवार मंदसौर के तत्वावधान में विशाल भजन संध्या का आयोजन माहेश्वरी धर्मशाला मंदसौर पर किया गया। जसिमें विश्व प्रसिद्ध सूफी गायिका आनंदिता बासु ने सुन्दर भजनों की प्रस्तुति दी।

भजन संध्या की शुरूआत गायिका श्रीमती बासुनेगणेश वंदना जयगणपति वंदन गणनायक तेरी छवि अति सुंदर सुखदायक सेकी। उसकेपश्चात् भगवान श्री कृष्ण के भजन श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासु देव की सुमधुर प्रस्तुति दी। माताजी निर्मलादेवी की स्तुति करतेहुए श्रीमती बासुने जागो कुंडलनी मां करो सब पर कृपा गाकर मंत्रमुग्ध किया। उन्होनें दमादम मस्त क्लंदर तथा उँन्नम:शिवाय भीगाया। श्रीमती बासु ने एक केबाद एक शिव भजन, कृष्ण भजन सहित अनेक भजनों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरूआत में भजन गायिका आनंदिता बासु का मंदसौर समन्वयक सनत जोशी, महिला समन्वयक सोनाली दख, पूर्व राज्य समन्वयक महेन्द्र व्यास, रतलाम समन्वयक शंकरलाल बरमन ने स्वागत किया। भजन संध्या में वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, सुदीप दास, बंशीलाल टांक, रविन्द्र पाण्ड्येय, प्रदीप भाटी, दृष्ठनंद नैनवानी आदि ने श्रीमाताजी को पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र दख ने किया एवं आभार मंदसौर समन्वयक सनत जोशी ने माना। भजन संध्या में तबले पर श्री सुमित मालवीय देवास, गिटार पर श्री नवीन करोड़िया देवास, सिंथेसाइजर पर श्री योगेश पाठक देवास, आक्टोपेट्पर मास्टर निर्गुण खोंचे इंदौर और ढोलक पर शुभम अंधेरिया देवास ने संगत दी।

जमाई को मारकर फरार हुआ पांच हजार का ईनामी वारंटी धराया

भानपुरा, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जमाई को जान से मारकर फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया है। आरोपी पर पुलिस कप्तान ने पांच हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया हुआ था।

भानपुरा पुलिस ने बताया कि ग्राम कोटडी टैंक से नाहरसिंह पिता मांगीलाल मीणा द्वारा जंगल में नर कंकाल मिलने की सूचना दी थी जिस पर कार्यवाही करते हुए मर्ग पंजीबद्ध किया था। मर्ग जांच पर से अज्ञात व्यक्ति के शव की पहचान सूरजमल पिता किशनलाल भील उम्र 33 साल निवासी बडोदिया थाना गांधीसागर के रुप में हुई। जांच में सामने आया कि कैलाशी बाई पति बापुलाल भील, भंवरलाल पिता चतर जी भील, सांवरा पिता पीरु भील सभी निवासी थगी थाना भानपुरा द्वारा आपस में एक मत होकर षडयन्त्रपुर्वक मृतक सूरजमल की हत्या कर सबूत मिटाने की गरज से मृतक के शरीर को जंगल की घनी झाडियों में फेंक दिया था जिस पर से थाना भानपुरा पर आरोपियो के विरुद्ध अपराध धारा 302, 201, 120 बी, 34 भादवि का कायम किया। प्रकरण मे मृतक सुरजमल की पत्नी लाडबाई को उसकी मां कैलाशीबाई पैसों के बदले कही दुसरी जगह नातरा देना चाहती थी। लेकीन, इसमे सुरजमल राजी नही था। इसी कारण कैलाशीबाई ने आरोपियो के साथ मिलकर षडयंत्र करके सुरजमल की हत्या कर शव को जंगल मे फिकवा दिया था। प्रकरण मे आरोपी भंवरलाल पिता चतरा भील निवासी थगी को 04 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया गया था। प्रकरण मे शामिल केलाशीबाई और सांवरा भील घटना दिनांक से ही फरार थे, जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस कप्तान मंदसौर द्वारा प्रत्येक आरोपी की गिरफ्तार पर 5000 रुपये के इनाम की उद्घोषणा जारी की गई थी। भानपुरा पुलिस द्वारा आरोपिया कैलाशीबाई पति बापुलाल भील उम्र 50 साल निवासी थगी थाना भानपुरा को गिरफ्तार किया गया।

महाविद्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2023-24 के अनुपालन में तथा माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री अजीत सिंह साहब के मार्गदर्शन तथा जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री हर्ष सिंह बहरावत साहब के निर्देशन में दिनांक 10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है और साथ ही बाल विवाह रोकथाम हेतु भी विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत दिनांक 12 अक्टूबर 2023 को राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ।

जिला न्यायाधीश ने उपस्थित विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह तथा बाल विवाह के संबंध में चलाए जा रहे विशेष अभियान के बारे जागरूक किया। सचिव महोदय ने किशोर वर्ग में बढ़ती हुई मानसिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कि बताया की आज ज्यादातर युवा विभिन्न मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप समाज के विकास में उनकी भागीदारी कम हो जाती है। माननीय सचिव महोदय ने सभी से अनुरोध किया कि अपनी मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल हेतु योग, प्राणायाम आदि का नियमित रूप से अभ्यास करें और साथ ही सोशल मीडिया के सजग उपयोग हेतु भी प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने बताया की कोई व्यक्ति अगर किसी प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना कर रहा है तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर में भी संपर्क कर सकता है। इसके अतिरिक्त माननीय सचिव महोदय ने पोक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम एवं अन्य विधिक विषयों के बारे में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार द्वारा समस्त विद्यार्थियों को बाल विवाह के रोकथाम हेतु शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम को प्राचार्य श्री एल एन शर्मा, श्री अनिल कुमार आर्य, श्री केआर सूर्यवंशी द्वारा भी संबोधित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापकगण एवम छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

80 कैदियों का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण

नीमच, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को डॉ.स्वाति वधवा मनोरोग चिकित्सक, ज़िला चिकित्साल्य नीमच एवं नर्सिंग ऑफिसर नितेश कुमावत द्वारा जिला जेल कनावटी, नीमच में 80 कैदियों का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण कर, उचित दवाइयां उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय डॉ. कुलदीप जैन की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री हर्षित बिसेन नीमच, जेल अधीक्षक श्री प्रभात कुमार, जेलर, श्री यशवंत माझी, और सहायक जेलर डॉ.अंशुलगर्ग भी उपस्थिति थे। सभी बंदियों को तनाव मुक्त कैसे रहे व नियमित योगा, व्यायाम की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही सभी को स्ट्रेसबॉल भी वितरित किए गए।

मां-बेटे को पीटा, 2 भाईयों पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मां-बेटे के साथ मारपीट करने वाले दो भाईयों पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। नारायणगढ़ थाने पर दिलीप बैरागी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरे बेटे खेरांशु के साथ पडोस में रहने वाले लाला पिता अमृतराम जाट व कैलाश पिता अमृतराम जाट ने थप्पड़ मारी। मेरी पत्नी ममता ने लाला व कैलाश से मारपीट करने का कारण पूछा तो मेरी पत्नी ममता के साथ भी दोनों ने मारपीट की व गालियां दी।

दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाएं के संबंध में दिया प्रशिक्षण

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरानभारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकलांग एवं वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाएँ के संबंध में जिले के समस्त विकासखण्ड कार्यालय के कर्मचारी को प्रशिक्षणशासकीय महाविद्यालय में आयोजित किया गया। उक्?त प्रशिक्षण डॉ.जे.के. जैन एवं श्री किशोर सिंह तौमर ने दिया। भारत निर्वाचन आयोग का यह निर्देश कि' कोई मतदाता न छूटे, हमें मतदात केन्द्र पर सर्वश्रेष्ठ सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करता है जिससे की मतदाता अपना मतदान बिना किसी परेशानी या असुविधा के कर सके। उनके द्वारा बताया गया कि आयोग के निर्देशानुसार, हमारा मतदान केन्द्र सामान्य नागरिकों की जरूरतों के अलावा वरिष्ठ नागरिकों (80+) तथा दिव्यांगों के लिए भी पूर्णत: सुविधा युक्त है। कुछ महत्वपूर्ण सुविधाएं है- जैसे - रैम्प, व्हील चेयर, वॉलेंटियर्स, प्रतीक्षा क्षेत्र, पेय जल की व्यवस्था, बेल सुविधा, विशेष सांकेतिक चिन्ह, शौचालय, शिशु गृह आदि की सुविधाएं, की जानकारी दी। उनके द्वारा बताया गया कि इनके अतिरिक्त निर्वाचक नामावली में दर्ज वरिष्ठनागरिकों (80+ आयु के मतदाता) तथा दिव्यांग जनों के लिए घर से मतदान केन्द्र तक लाने तथा वापसी हेतु वाहनों की सुविधा यथासंभव उपलब्ध होगी। वोटर लिस्ट में दर्ज दिव्यांगजन तथा वरिष्ठनागरिक प्रजातंत्र के इस उत्सव में मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र पर आकर मत डालेंगे।

प्रशिक्षण में बताया गया कि आप किन्हीं अनिवार्य कारणों जैसे शारिरीक अक्षमता के कारण चलने में असमर्थ है और मतदान केन्द्र पर आकर मत नहीं डाल सकते है तो वह अपने आवास पर पोस्टल बैलेट का उपयोग कर सकते है। बीएलओ आपको फार्म. 12ऊरिटर्निंग ऑफिसर के एक नोट के साथ देगा जिसमें आपके रिटर्निंग ऑफिसर का पता लिखा होगा। आपका पूरा भरा फॉर्म 12 डी निर्धारित समय से पहले विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर/सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को अवश्य पहुंच जाए, अन्यथा यह मान्य नहीं होगा। दिव्यांग मतदाता को फॉर्म 12डी के साथ सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता संबंधी प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। यदि आप ऐसे पोस्टल बैलेट के लिए योग्य पाए गए तो हमारी मोबाईल पोलिंग टीम आपके घर पर आकर पोस्टल बैलेट द्वारा आपका मतदान दर्ज कराएगी। इसके आपके मोबाईल / दूरभाष पर इसकी सूचना पूर्व से दी जाएगी। यदि कोई पोस्टल बैलेट की सुविधा का चयन करते है और फॉर्म 12डी पोस्टल बैलेट के लिए स्वीकार किया गया तो आपको मतदान के दिन मतदान केन्द्र पर अपना वोट डालने की अनुमति नहीं होगी, उनके मतदान के लिये उनके पते पर टीम पहुंचेगी और उनका पोस्टल बैलेट से मतदान कराएगी। किसी प्रकार की जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1950 एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कंट्रोल रूम नम्बर 07423-251566 पर संपर्क करें।

नपा ने पशुओं को पकड़ने का अभियान चलाया

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह ने आदेशानुसार मंदसौर नगर पालिका परिषद ने गुरूवार को नगर के विभिन्न क्षेत्रो मे पशुओ को पकडने का अभियान चलाया गया। नगर के मुख्य मार्गो व चौराहो पर विचरण करने वाले पशुओं के कारण आमजनो को जो परेशानी आती है उसे दूर करने के लिये नगर पालिका ने पशुपालको को नपा सभाग्रह में बुलाकर उनकी बैठक की थी और उन्हे समझाईश दी थी कि आपने पशुओ को बाडे में बाधकर रखे तथा सडको पर विचरण के लिये नही छोडे। नगर पालिका ने उस बैठक ने लिये गये निर्णय अनुरूप सडको पर विचरण करने वाले पशुओ को पकडने की कार्यवाही शुरू कर दी है। कल गुरूवार को 20 गौवंश जो कि गांधी चौराहा, बीपीएल चौराहा, महाराण प्रताप व महाराण प्रताप बस स्टेण्ड क्षैत्र से गौवंश को पकडकर उसे गौशाला भि जवाया गया। नपा का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद्र शर्मा ने भी सभी पशुपालको से अपने पशुओ को अपने बाडे में ही रखने व सडको नही छोडने की अपील की है।

मां-बेटी को पीटा, 2 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मां-बेटी के साथ मारपीट करने वालों पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। लसुड़िया कदमाला निवासी जमनाबाई पति समरथ बावरी ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे लड़के अरुण की शादी 6 माह पूर्व काचरिया चन्द्रावत हुई थी। अरुण के ससुराल वालों ने किसी बात को लेकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसी बात को लेकर काचरिया चन्द्रावत निवासी राजेश पिता विष्णुलाल बावरी व पिपिलया विशनिया निवासी अंकुश पिता बबलू बावरी घर पर आए गाली-गलौज की व धक्का-मुक्की की। बीच-बचाव करने आई मेरी बेटी पूजा के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी के दायित्वों की समीक्षा बैठक आज

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत संबंधित कार्य के लिए नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी को सौंपे गए दायित्वों के कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। बैठक 13 अक्टूबर 2023 को दोपहर 3 बजे सुशासन भवन नवीन कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

खेल प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सहायक नोडल अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिलाएवं बालविकास द्वाराबताया गया कि विधान सभा निर्वाचन 2023 हेतु स्वीप गविविधिके अंगर्तत मतदाता जागरुकता के तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। बेडमिंटन 14 से 15 अक्टूबर तक नूतन स्टेडियम मंदसौर, टेबल टेनिस 20 अक्टूबर को नूतन स्टेडियम मंदसौर, मिनी मैराथन 27 अक्टूबर को प्रात: 8 बजे गांधी चौराहा से पी.जी. कॉलेज मैदान तक, क्रिकेट 4 नवंबर से 5 नवंबर तक नूतन स्टेडियम मंदसौर एवं साईकिल रैली 10 नवम्बर को गांधी चौराहा से घंटाघर, शुक्ला चौक, महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड श्री कोल्ड, पी.जी. कॉलेज तक आयोजित की जाएगी।

आचार संहिता: तबादले के बाद... पेज 1 से जारी

हो पा रहे है। ऐसे में जिलों में ट्रांसफर हुए कर्मचारी, अधिकारी आवेदन लेकर घूम रहे हैं।

परमिशन बगैर कलेक्टर नहीं करेंगे जॉइन–चुनाव आयोग ने आचार संहिता लागू होने के साथ ही यह स्पष्टकर दिया है कि आचार संहिता प्रभावी होने के बाद कोई भी कलेक्टर चुनाव आयोग की अनुमति के बिना अधिकारी, कर्मचारी को ज्वाइन और रिलीव नहीं कराएगा। अगर ऐसी स्थिति बनती है तो इसके लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा, जहां से अनुमति मिलने के बाद ही स्थानांतरित हुए कर्मचारी अधिकारी ज्वाइन कर सकेंगे।

कई जिलों में स्कूल शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव में सर्वाधिक–चुनाव कार्य के लिए कई जिलों में सबसे अधिक स्टाफ स्कूल शिक्षा विभाग से तैनात किया गया है। इसमें अध्यापक और शिक्षक संवर्ग के कर्मचारी शामिल हैं। अध्यापकों की काउंसलिंग के बाद उनकी नई पोस्टिंग करने की जानकारी सामने आने के बाद कई कलेक्टरों ने जिला शिक्षा अधिकारियों को शिक्षकों को रिलीव करने से भी रोका है। ताकि शिक्षकों के दूसरे जिलों में जाने से उनके जिले में मतदान का कार्य प्रभावित न होने पाए। बता दें कि मंदसौर जिले में भी मतदान को लेकर प्रथम और द्वितीय चरण की प्रशिक्षण प्रक्रिया पूरी कराई जा चुकी है।

अमृत कलश यात्रा का आयोजन सम्पन्न

दलौदा, 12 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानन्द शासकीय महाविद्यालय दलौदा परिसर में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 'मेरी माटी मेरा देश 'अभियान के अंतर्गत अमृत कलश निर्माण, अमृत कलश यात्रा एवं पंच प्रण प्रतिज्ञा का आयोजन हुआ। प्राचार्य शैलेंद्र मालीवाड़ के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने विद्यार्थियो को मेरी माटी मेरा देश अभियान के उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी, प्रोफेसर, कर्मचारी पर

अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी है।आगे कहा कि अमृत वाटिका के रूप में फल और छायादार पौधों को लगाकर अपना कर्तव्य निभाना है। प्राणिकी विभागाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी प्रो. अरूणा नापित के द्वारा विद्यार्थियो को पंच प्रण की शपथ दिलाई गई हैं। इस दौरान सभी छात्र छात्राओं, प्राध्यापको से एकत्रित की गई मिट्टी को अमृत वाटिका उद्यान विकसित करने के लिए उपयोग किया जाएगा।इस अमृत वाटिका में स्वदेशी प्रजातियों के सैकड़ो वृक्षों के लिए पोधारोपण किया जाएगा।आगे कहा कि गांव के सामान्य व्यक्ति को देश की माटी के महत्व को बताते हुए देश की माटी से जोड़ना है। कार्यक्रम में प्रो . ममता देवी यादव, प्रो . तोसिफ नागोरी, डॉ . माला हकवाड़िया तथा अन्य प्राध्यापक, कर्मचारी , बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे। उक्त जानकारी डॉ . ओंकार सिंह रावत ने दी हैं।

जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ

Welcare हॉस्पीटल वडोदरा के प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेन्ट सर्जन डॉ. भरत मोदी के सहयोगी

डॉ विपिनसिंह मंदसौर में अपनी सेवा देंगे।

हड्डी रोग जोड़ प्रत्यारोपण एवं घुटनों में दर्द पीठ में दर्द गर्दन में दर्द आदी बीमारियों का इलाज करेगे

शनिवार 14 अक्टूबर 2023

स्थान-12, गनेड़ीवाल धर्मशाला, नगरपालिका के सामने, मन्दसौर

समय-सुबह 9.00 से 11 बजे तक

सम्पर्क फोन नं. 07422-403733, 9425105383

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in